"कोविदार"

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

01 फरवरी–28 फरवरी, 2026 | विश्वविद्यालय की ई–मासिक न्यूज पत्रिका | वर्षः 01 | अंकः 08 | पृष्ठः 08

संरक्षक

कर्नल डॉ0 बिजेन्द्र सिंह
कुलपति

प्रकाशक

श्री विनय कुमार सिंह
कुलसचिव

संपादक

डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी
जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग

सम्पादकीय मण्डल

डॉ. राज नारायण पाण्डेय
डॉ. अनुराग सिंह
श्री क्षितिज द्विवेदी

संकलन एवं सम्पादन

निलेश्वर पाण्डेय, दीपगोपाल मिश्र, निहारिका सिंह, हंसिका सहदेव, शिवांग चतुर्वेदी, गरिमा द्विवेदी, सुशील पाल, जिज्ञासा तिवारी, अदिति पाठक।

आप सुधी पाठकों के विचार सादर आमंत्रित हैं।

Avadhuniversity@gmail.com

समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण में ही देश की प्रगतिः कुलपति दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद पर अवध विवि में विचार संगोष्ठी

अयोध्या, 11 फरवरी 2026। अवध मानववाद के दर्शन में मनुष्य को केवल विश्वविद्यालय के श्रीराम शोध पीठ के आर्थिक प्राणी नहीं माना गया है, बल्कि किया और समरस समाज की स्थापना का संदेश दिया।

सेमिनार सभागार में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा एवं विचार संगोष्ठी का आयोजन दीनदयाल शोध पीठ द्वारा कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में किया गया।

अवध विश्वविद्यालय के श्रीराम शोध पीठ में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा एवं विचार संगोष्ठी को संबोधित करते कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कर्नाटक उत्तर क्षेत्र के पूर्व प्रांत प्रचारक गोपाल जी रहे। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि किसी भी देश की प्रगति का वास्तविक पैमाना ऊँची इमारतें या जीडीपी नहीं, बल्कि समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति की स्थिति होती है। उनका लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति का उदय और कल्याण था।

कुलपति ने कहा कि एकात्म उसके शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा के समग्र विकास पर बल दिया गया है। आज भारत की कई जनकल्याणकारी योजनाएँ इसी विचारधारा से प्रेरित हैं।

मुख्य वक्ता गोपाल जी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का संपूर्ण जीवन राष्ट्र चिंतन और सामाजिक उत्थान के लिए समर्पित रहा। उन्होंने पत्रकारिता के माध्यम से समाज को जोड़ने का कार्य

कार्यक्रम का संचालन प्रो. शैलेंद्र कुमार ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन कला संकाय की अधिष्ठाता प्रो. मृदुला मिश्रा ने किया। इस अवसर पर प्रो. आशुतोष सिन्हा, प्रो. जसवंत सिंह, प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, प्रो. फर्रुख जमाल, प्रो. विनोद कुमार श्रीवा. स्तव, डॉ. अवध नारायण, डॉ. दिवाकर त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी और छात्र उपस्थित रहे।

डिग्री के साथ कौशल जरूरी, चुनौतियों से डटकर मुकाबला करें: कुलपति

अयोध्या, 26 फरवरी 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय एवं क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आईईटी परिसर में बृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इस मेले में देश की 41 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया और युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि अपने लक्ष्य को केवल इच्छा न रहने दें, बल्कि उसे दृढ़ संकल्प में बदलें। सफलता रातों–रात नहीं मिलती, बल्कि निरंतर प्रयासों का परिणाम होती है। उन्होंने कहा कि जीवन में आने वाली चुनौतियाँ व्यक्ति की क्षमता को परखने के लिए होती हैं और बिना संघर्ष के हीरा भी नहीं चमकता।

कुलपति ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में केवल शैक्षणिक डिग्री पर्याप्त नहीं है, बल्कि कौशल का विकास भी आवश्यक है। तकनीकी युग में युवाओं को स्वयं को लगातार अपडेट रखना चाहिए और आजीवन सीखने की प्रवृत्ति अपनानी चाहिए। सहायक निदेशक सेवायोजन देवव्रत कुमार ने बताया कि केंद्र एवं राज्य सरकार के प्रयासों से रोजगार मेलों के माध्यम से युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं।

अवध विश्वविद्यालय के आईईटी परिसर में आयोजित बृहद रोजगार मेले का शुभारंभ करते कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह एवं अन्य अधिकारी।

रोजगार मेले में एलएंडटी, सैमसंग, बर्क्मान, ब्रिटानिया, एसबीआई लाइफ, एचडीएफसी बैंक, बंधन बैंक सहित कई प्रमुख कंपनियों ने भाग लिया। मेले के लिए 4479 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 3053 का चयन किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रजनिका मिश्रा ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन वाणिज्य संकायाध्यक्ष प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा ने किया।

इस अवसर पर सेवा आयोजन विभाग से जिला सेवायोजन अधिकारी धर्मेंद्र कुमार, अपर सांख्यिकी अधिकारी सुनील कुमार, डॉ. अंशुमान पाठक, डॉ मनीष कुमार सिंह, डॉ. महेंद्र पाल डॉ राकेश, डॉ. राकेश मिश्र, डॉ. प्रवीण राय डॉ. अनुराग तिवारी, सुधीर कुमार सिंह सेवायोजन, डॉ रविंद्र भारद्वाज, डॉ कपिल, डॉ. हर्ष गुप्ता, डॉ. अंकिता यादव, डॉ अंकिता अग्रवाल, डॉ सूरज सिंह, डॉ. पावनी रस्तोगी, डॉ. श्याम श्रीवास्तव सहित अन्य उपस्थित रहे।

'कोविदार' विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को समाज से जोड़ेगी: कुलपति

अवध विश्वविद्यालय में 'कोविदार' न्यूज पत्रिका का विमोचन

अयोध्या, 02 फरवरी 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या के कौटिल्य प्रशासनिक भवन में अपराह्न विश्वविद्यालय की नवीन न्यूज पत्रिका 'कोविदार' का विमोचन कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह द्वारा किया गया। कुलपति के मार्गदर्शन में प्रकाशित यह पत्रिका विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, शोध, सांस्कृतिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों को एक मंच पर प्रस्तुत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

इस अवसर पर कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि 'कोविदार' न्यूज पत्रिका विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, शोध एवं नवाचारपूर्ण गतिविधियों को समाज से जोड़ने का सशक्त माध्यम बनेगी। उन्होंने कहा कि यह पत्रिका सकारात्मक सोच, गुणवत्ता और तथ्यपरकता के साथ की कि पत्रिका नियमित रूप से प्रकाशित करेगी। कुलपति ने संपादकीय टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए आशा व्यक्त की कि पत्रिका विश्वविद्यालय की पहचान को और मजबूत करेगी।

कौटिल्य प्रशासनिक भवन में कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह 'कोविदार' समाचार पत्रिका का विमोचन करते हुए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारी एवं संपादकीय मंडल के सदस्य भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेंदु शुक्ला, प्रो. आशुतोष सिन्हा, डॉ. आर.एन. पाण्डेय तथा कुलपति के निजी सचिव राजीव तिवारी उपस्थित रहे। सभी ने पत्रिका को विश्वविद्यालय की रचनात्मक एवं बौद्धिक अभिव्यक्ति का सशक्त दस्तावेज बताया।

मालूम हो कि 'कोविदार' न्यूज पत्रिका के संरक्षक कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह हैं। इसके संपादक डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी (जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग) हैं, जबकि प्रकाशक की जिम्मेदारी कुलसचिव विनय कुमार सिंह निभा रहे हैं। संपादकीय मंडल में डॉ. राज नारायण पाण्डेय, डॉ. अनुराग सिंह एवं श्री छितिज द्विवेदी शामिल हैं। पत्रिका के संकलन में रिका वर्मा, अर्पिता तिवारी, शगुन जायसवाल, दयानंद तिवारी एवं नावेंद्र प्रताप सिंह सहित छात्र–छात्राओं की सहभागिता रही।

प्रायोगिक–मौखिकी अंक 12 फरवरी तक अपलोड करें

अयोध्या, 4 फरवरी 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा जारी निर्देश के अनुसार सभी सम्बद्ध महाविद्यालयों को सूचित किया गया है कि एनईपी के अंतर्गत संचालित वर्ष 2026 की स्नातक प्रथम, तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर तथा परास्नातक प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर की प्रायोगिक एवं मौखिकी परीक्षाओं से संबंधित ऑनलाइन पोर्टल 12 फरवरी 2026 तक खुला रहेगा।

परीक्षा नियंत्रक विनय कुमार सिंह ने बताया कि सभी महाविद्यालय एवं संस्थान निर्धारित तिथि तक प्रायोगिक एवं मौखिकी परीक्षाएं नियमानुसार सम्पन्न कराते हुए उनके अंक विश्वविद्यालय पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड करें।

उन्होंने यह भी बताया कि जिन महाविद्यालयों में सेशनल, वोकेशनल कोर्स तथा प्रोजेक्ट वर्क की परीक्षाएं अभी तक सम्पन्न नहीं हुई हैं, वे भी 12 फरवरी तक इन्हें पूर्ण कर अंक पोर्टल पर अपलोड करना सुनिश्चित करें।

मनोविज्ञान विभाग के विद्यार्थियों का बाल सुधार गृह भ्रमण

अयोध्या 20 फरवरी 2026। रुचियों एवं भविष्य से जुड़ी अवध विश्वविद्यालय के संभावनाओं को जानने का व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग प्रयास किया गया।

के छात्र.छात्राओं को शैक्षणिक उद्देश्य से बाल सुधार गृह का भ्रमण कराया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने संघर्षरत बालकों से संवाद कर उनके जीवन की परिस्थितियों और समस्याओं को समझने का प्रयास किया।

विद्यार्थियों ने बालकों से विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे और उनकी काउंसलिंग भी की। साथ ही उनकी

यह शैक्षणिक भ्रमण व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग के समन्वयक प्रो. अनूप कुमार के मार्गदर्शन तथा डॉ. प्रतिभा त्रिपाठी, डॉ. सरिता पाठक और प्रतीक रंजन तिवारी के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर अधीक्षक नमन गुप्ता, वीरेंद्र प्रताप वर्मा, शिक्षक संपूर्णानंद सिंह, विजय प्रताप सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

कोशल संग्रहालय के समन्वयक बने डॉ. राजेश कुमार सिंह

अयोध्या, 14 फरवरी 2026। अवध विश्वविद्यालय के इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के सह–आचार्य डॉ. राजेश कुमार सिंह को विश्वविद्यालय के कोशल संग्रहालय का समन्वयक नियुक्त किया गया है।

डॉ. राजेश कुमार सिंह ने इस जिम्मेदारी के लिए कुलपति के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कोशल संग्रहालय को और अधिक समृद्ध एवं उपयोगी बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि संग्रहालय में उपलब्ध ऐतिहासिक धरोहरों को व्यवस्थित रूप से प्रदर्शित कर विद्यार्थियों और शोधार्थियों को उनसे जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही शोध गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया जाएगा तथा संग्रहालय की वीथिकाओं और गैलरियों को और विकसित किया जाएगा।

डॉ. राजेश कुमार सिंह के समन्वयक नियुक्त होने पर विश्वविद्यालय के डॉ. अवध नारायण, डॉ. दिवाकर त्रिपाठी, डॉ. मनीष कुमार सिंह सहित अन्य शिक्षकों एवं अधिकारियों ने उन्हें बधाई दी।

डिस्क्लेमर : ई–पत्रिका का प्रकाशन पूरी तरह से शैक्षणिक विकास को समर्पित है, इसका कोई भी व्यावसायिक हित नहीं है। सर्वाधिकार @ डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

भारतीय ज्ञान परंपरा सदियों से विश्व का मार्गदर्शन कर रही है: गुरु प्रसाद पांडेय

भारतीय शिक्षा का उद्देश्य चरित्र निर्माण और आत्म साक्षात्कार: प्रो. रमेश कुमार शर्मा

अवध विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का समापन

अयोध्या, 21 फरवरी 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के श्रीराम शोध पीठ सेमिनार हॉल में कुलपति कर्नल बिजेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार "रोल ऑफ इंडियन नॉलेज सिस्टम फॉर अचीविंग द गोल ऑफ इंडिया 2047" का समापन सत्र सम्पन्न हुआ। समापन सत्र के मुख्य अतिथि सहायक नगर आयुक्त गुरुराम पांडेय तथा विशिष्ट अतिथि प्रो. रमेश कुमार शर्मा रहे।

मुख्य अतिथि गुरु प्रसाद पांडेय ने कहा कि भारत की शिक्षा ऋषि परंपरा पर आधारित रही है, जिसकी शुरुआत वेदों से होती है। भारतीय शिक्षा में श्रुति परंपरा के माध्यम से ज्ञान और नैतिकता पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरित होती रही है। उन्होंने कहा कि विश्व की कई प्राचीन परंपराएँ समय के साथ लुप्त हो गईं, लेकिन भारतीय ज्ञान प्रणाली सदियों से सशक्त रूप में विश्व का मार्गदर्शन कर रही है।

विशिष्ट अतिथि प्रो. रमेश कुमार शर्मा ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में शिक्षा केवल जानकारी प्राप्त करने का साधन नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और आत्म–साक्षात्कार का मार्ग मानी गई है। प्राचीन शिक्षा व्यवस्था गुरु–शिष्य परंपरा पर आधारित थी, जिसमें गुरु केवल शिक्षक ही नहीं बल्कि मार्गदर्शक और आध्यात्मिक पिता की भूमिका निभाते थे।

अवध विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार के समापन सत्र में उपस्थित मुख्य अतिथि गुरु प्रसाद पांडेय, विशिष्ट अतिथि प्रो. रमेश कुमार शर्मा एवं अन्य विद्वान।

सातवें तकनीकी सत्र की अध्यक्षता अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक और डॉ. राजेश कुमार सिंह ने की। प्रो. नीलम पाठक ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा आध्यात्म और विज्ञान के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है। वहीं डॉ. राजेश कुमार सिंह ने कहा कि भारतीय संस्कृति में वर्णित सोलह संस्कार व्यक्ति के आध्यात्मिक, मानसिक और शारीरिक विकास के महत्वपूर्ण चरण हैं।

आठवें तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. फर्रुख जमाल और दूरदर्शन केंद्र, नई दिल्ली के कार्यक्रम निर्माता चंद्रकांत शर्मा ने की। संगोष्ठी समन्वयक डॉ. विनोद चौधरी ने प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि संगोष्ठी में 100 से अधिक शोधार्थियों ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए।

इस अवसर पर प्रो. शैलेंद्र कुमार, प्रो. सिद्धार्थ शुक्ल, प्रो. संग्राम सिंह, डॉ. दिवाकर त्रिपाठी, डॉ. अनिल कुमार यादव, डॉ. राणा रोहित, डॉ. अभिषेक कुमार सिंह, वैज्ञानिक पत्रकार डॉ. राजकिशोर, डॉ. अनुराग सिंह, डॉ. रुद्र प्रताप सिंह, डॉ. जैनेंद्र कुमार, डॉ. नमिता गुप्ता, अदिति बरनवाल, राजकुमार प्रजापति, सूरज तथा शुभम सिंह राजावत सहित अनेक शिक्षक और शोधार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पर्यावरण विज्ञान की शोधार्थी अपर्णा ने किया।

अनुसंधान और नवाचार से ही विज्ञान का विकास संभव: प्रो. अरविंद नातू

अवध विश्वविद्यालय में "स्टूडेंट इंटरेक्शन प्रोग्राम" आयोजित

अयोध्या, 23 फरवरी 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग एवं इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी के संयुक्त तत्वावधान में इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी में "स्टूडेंट इंटरेक्शन प्रोग्राम" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के निदेशक प्रो. शैलेन्द्र कुमार ने मुख्य वक्ता, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च पुणे के निदेशक प्रो. अरविंद नातू का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत कर किया।

प्रो. नातू ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए वैज्ञानिक दृष्टिकोण, अनुसंधान के महत्व तथा फार्मेसी और सूक्ष्मजीव विज्ञान के क्षेत्र में नवाचार की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने ड्रग रेजिस्टेंस और डीएनए संरचना जैसे विषयों पर भी विस्तार से जानकारी दी तथा विद्यार्थियों को शोधोन्मुखी सोच विकसित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार ज्योति वैश्य ने किया।

अवध विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी में आयोजित स्टूडेंट इंटरेक्शन प्रोग्राम में विद्यार्थियों को संबोधित करते प्रो. अरविंद नातू।

इस अवसर पर प्रो. तुहिना वर्मा, डॉ. रंजन सिंह, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. सिंधु सिंह, डॉ. प्रशांत सिंह, डॉ. सोम प्रकाश कुशवाहा, डॉ. आशुतोष कुमार यादव, डॉ. अंकुर श्रीवास्तव, डॉ. विमल और डॉ. अजय सहित प्राध्यापक, शोधार्थी व छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

अवध विश्वविद्यालय में प्री–पीएचडी कोर्स वर्क परीक्षा 9 मार्च से

अयोध्या, 25 फरवरी 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में प्री–पीएचडी कोर्स वर्क सत्र 2023–24 की परीक्षाएं निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विश्वविद्यालय के आवासीय परिसर स्थित परीक्षा केंद्र पर आयोजित की जाएंगी।

परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार 9 मार्च 2026 सोमवार को प्रातः 9:00 बजे से 12:00 बजे तक रिसर्च एंड पब्लि. केशन एथिक्स तथा अपराह्न 2:00 बजे से 5:00 बजे तक कंप्यूटर एप्लीकेशन की परीक्षा सम्पन्न होगी। इसके अगले दिन 10 मार्च 2026 मंगलवार को प्रातः 9:00 बजे से 12:00 बजे के मध्य रिसर्च मेथडोलॉजी की परीक्षा आयोजित की जाएगी।

परीक्षा समन्वयक प्रो. फर्रुख जमाल ने बताया कि कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में परीक्षा को सुचितापूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा परीक्षा व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर "वूमेन इन साइंसः कैटालाइजिंग विकसित भारत" विषयक संगोष्ठी आयोजित

विकसित भारत के निर्माण में विज्ञान और नवाचार की अहम भूमिकाः प्रो. राजीव त्रिपाठी

अयोध्या, 28 फरवरी 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के भौतिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग में कुलपति कर्नल डॉ. बिजेन्द्र सिंह के निर्देशन में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर "वूमेन इन साइंसरू कैटालाइजिंग विकसित भारत" विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र–छात्राओं के लिए प्रेजेंटेशन, पोस्टर, मॉडल, क्विज एवं वाद–विवाद प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के पूर्व निदेशक एवं राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल के पूर्व कुलपति प्रो. राजीव त्रिपाठी तथा विशिष्ट अतिथि वीर बहादुर पूर्वांचल विश्वविद्यालय के प्रो. बृज बिहारी तिवारी रहे। कार्यक्रम के संयोजक एवं विभागाध्यक्ष प्रो. गंगाराम मिश्र ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि "वूमेन इन साइंस" केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समान अवसर, साहस और आधुनिकता का प्रतीक है।

मुख्य अतिथि प्रो. राजीव त्रिपाठी ने कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए हमें केवल प्रौद्योगिकी के उपभोक्ता नहीं, बल्कि अभियांत्रिकी के केंद्र बनना होगा। वहीं विशिष्ट अतिथि प्रो. बृज बिहारी तिवारी ने सर सी.वी. रमन के जीवन और रमन स्पेक्ट्रा की वैज्ञानिक उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. एस.एस. मिश्र ने की। प्रो. के.के. वर्मा ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की पृष्ठभूमि और इस वर्ष की थीम की रूपरेखा प्रस्तुत की। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक ने विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं के योगदान को रेखांकित किया। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाणपत्र और ट्रॉफी प्रदान की गई। इस अवसर पर डॉ. गीतिका श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यक्रम में डॉ. अनिल कुमार, डॉ. सिंधू सिंह, प्रो. सिद्धार्थ शुक्ला सहित अन्य शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर आयोजित संगोष्ठी में संबोधित करते मुख्य अतिथि प्रो. राजीव त्रिपाठी, विशिष्ट अतिथि प्रो. बृज बिहारी तिवारी एवं अन्य।

वेब टेक्नोलॉजी और सीएमएस का ज्ञान विद्यार्थियों के लिए आवश्यकः प्रो. शैलेंद्र

अयोध्या, 3 फरवरी 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंधन एवं उद्यमिता विभाग द्वारा "वेब टेक्नोलॉजी विथ सीएमएस" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बीसीए के विभिन्न सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसमें उन्हें आधुनिक वेब तकनीकों और कंटेंट मैनेजमेंट सिस्टम (सीएमएस) के व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी गई।

विभागाध्यक्ष प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा ने कहा कि डिजिटल युग में वेब टेक्नोलॉजी और सीएमएस का ज्ञान विद्यार्थियों के करियर के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। बीसीए समन्वयक डॉ. अनुराग तिवारी ने कहा कि विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण भी मिलना चाहिए।

आमंत्रित अतिथि एस प्राइवेट टेक्नोलॉजी के निदेशक यश साहू ने वेब डिजाइनिंग, डोमेन–होस्टिंग और सीएमएस के माध्यम से वेबसाइट निर्माण की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया। इसी दौरान प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में डॉ. संजीत पाण्डेय, डॉ. प्रवीन कुमार राय, डॉ. कपिल देव, पावनी रस्तोगी, श्याम श्रीवास्तव एवं पवन कुमार सहित बड़ी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों ने सीखे सिंधी व्यंजन व हस्तशिल्प कौशल

अयोध्या, 12 फरवरी 2026। अवध विश्वविद्यालय में कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में अमर शहीद संत कंवरराम साहिब सिंधी अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित सात दिवसीय कौशल विकास कार्यक्रम के दूसरे दिन विद्यार्थियों को सिंधी खान–पान और पारंपरिक कलाओं का प्रशिक्षण दिया गया।

विशेषज्ञ कोमल लखमानी ने "माजून", गीत हासानी ने "सिंधी मीठी टिक्की" और सीमा मिठवानी ने पारंपरिक "रोट" बनाने की विधि बताई। वहीं विनीता मोटवानी ने "टाई एंड डाई" तकनीक पर प्रशिक्षण दिया।

इस अवसर पर प्रो. अनूप कुमार, प्रो. फर्रुख जमाल, प्रो. नीलम पाठक, शालिनी पांडेय, डॉ. प्रतिभा, सपना खेतपाल, हर्षा हासानी, कपिल कुमार व प्रतीक रंजन तिवारी उपस्थित रहे।

एमबीए छात्रों का इफको फुलपुर यूनिट का शैक्षणिक औद्योगिक भ्रमण

अयोध्या, 4 फरवरी 2026। अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंधन एवं उद्यमिता विभाग द्वारा एमबीए (एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट) के विद्यार्थियों का एक दिवसीय शैक्षणिक औद्योगिक भ्रमण इफको फुलपुर यूनिट, प्रयागराज में कराया गया। यह कार्यक्रम कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में आयोजित हुआ। विभागाध्यक्ष प्रो. शैलेन्द्र कुमार वर्मा ने विद्यार्थियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को उर्वरक उत्पादन प्रक्रिया, प्रबंधन व्यवस्था, गुणवत्ता नियंत्रण तथा विपणन रणनीतियों की जानकारी दी गई। साथ ही इफको की नैनो यूरिया तकनीक, उसके लाभ एवं कृषि क्षेत्र में उसके प्रभाव के बारे में भी बताया गया। इस अवसर पर डॉ. श्रीश अस्थाना, डॉ. आशुतोष कुमार पांडेय, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. रविंद्र भारद्वाज, डॉ. राकेश कुमार मिश्रा, डॉ. कपिल देव तथा डॉ. अनुराग तिवारी उपस्थित रहे।

छात्राओं के लिए टाई एंड डाई कौशल प्रशिक्षण

अयोध्या, 13 फरवरी 2026। अवध विश्वविद्यालय के अमर शहीद संत कंवर राम साहब सिंधी अध्ययन केंद्र में आयोजित कौशल विकास कार्यक्रम के तृतीय दिवस पर प्रतिभागी छात्राओं को सिंधी पकवान एवं टाई एंड डाई का प्रशिक्षण दिया गया।

सिंधी पकवान की विशेषज्ञ सपना खेतपाल ने सिंधी पापड़ बनाने की विधि सिखाई, जबकि राधा उत्तरानी ने सिंधी कचरी और सिंधी खीचा पापड़ बनाने की जानकारी दी। टाई एंड डाई विशेषज्ञ विनीता मोटवानी ने कपड़ों को विभिन्न तकनीकों से रंगने की प्रक्रिया बताई।

कार्यशाला के संयोजक एवं मानद निदेशक प्रो. अनूप कुमार ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत लिप्पन कला एवं पाक शास्त्र पर भी प्रशिक्षण दिया जाएगा।

भारतीय ज्ञान परंपरा हमारी अमूल्य धरोहरः मेयर गिरीशपति त्रिपाठी

मातृभाषा के सशक्तिकरण से ही विकसित भारत का लक्ष्य संभवः प्रो. दुर्गेश त्रिपाठी

अयोध्या, 20 फरवरी 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के श्रीराम शोध पीठ सेमिनार हॉल में कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में पर्यावरण विज्ञान विभाग एवं आईसीएसएसआर के संयुक्त तत्वावधान में "रोल ऑफ इंडियन नॉलेज सिस्टम फॉर अचीविंग द गोल ऑफ इंडिया 2047" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र का शुभारंभ प्रभु श्रीराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर निगम अयोध्या के मेयर गिरीशपति त्रिपाठी ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा हमारी प्राचीन धरोहर है। वेद और वेदांग ज्ञान के विस्तार के प्रतीक हैं और ऋषि–मनीषियों ने प्रकृति के साथ समन्वय स्थापित कर इसे विकसित किया। उन्होंने कहा कि चिंतन, मनन और ध्यान से प्राप्त ज्ञान ही अमृत तत्व ज्ञान है। विशिष्ट अतिथि गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रो. दुर्गेश त्रिपाठी ने कहा कि विकसित भारत 2047 का लक्ष्य मातृभाषा के सशक्तिकरण के बिना संभव नहीं है। विश्व के अधिकांश विकसित देशों ने अपनी भाषा के माध्यम से प्रगति की है। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा को समकालीन सामाजिक आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करना होगा।

मुख्य वक्ता लखनऊ विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. ध्रुव सेन सिंह ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा ने विश्व को चिकित्सा, कृषि, अंतरिक्ष और ज्योतिष जैसे अनेक क्षेत्रों में अमूल्य योगदान दिया है। महर्षि चरक और सुश्रुत की परंपरा आज भी विश्व के लिए प्रेरणास्रोत है। नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने स्वच्छ पर्यावरण और जल स्रोतों के संरक्षण पर बल दिया। वहीं आईक्यूएसी निदेशक प्रो. हिमांशु शेखर ने कहा कि भारतीय शिक्षा प्रणाली समग्र जीवन पद्धति का निर्माण करती है।

अवध विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र में संबोधित करते मेयर गिरीशपति त्रिपाठी, प्रो. दुर्गेश त्रिपाठी एवं अन्य विद्वान।

कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन प्रो. सिद्धार्थ शुक्ल ने दिया तथा संचालन अदिति बरनवाल और अपर्णा ने किया। संयोजक प्रो. विनोद चौधरी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर कुलसचिव विनय कुमार सिंह, प्रो. नीलम पाठक, प्रो. फर्रुख जमाल, प्रो. संग्राम सिंह, प्रो. गंगाराम मिश्र, डॉ. राज किशोर, प्रो. राजेश कुमार शुक्ल, चंद्रकांत शर्मा, डॉ. पी.के. द्विवेदी, डॉ. मनीष सिंह, प्रो. अवधेश कुमार यादव, डॉ. महिमा चौरसिया, डॉ. नवीन पटेल, डॉ. अनिल यादव, डॉ. अभिषेक सिंह सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्वान एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

समाज निर्माण में महिलाओं की भूमिका अतुलनीयः प्रो. मृदुला मिश्रा

अयोध्या, 13 फरवरी 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग में 'राष्ट्रीय महिला दिवस' के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कला एवं मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो. मृदुला मिश्रा रहीं। उन्होंने कहा कि 'नारी' शब्द अपने आप में गहरा अर्थ समेटे है और समाज निर्माण में महिलाओं की भूमिका अतुलनीय है।

इस अवसर पर छात्रा सांभवी, आदर्श तिवारी, प्रज्ञा, शिवांगी, सुरभी, रितिका और किसलय कंवर ने सरोजिनी नायडू के जीवन, महिला शिक्षा, स्वतंत्रता संग्राम एवं महिलाओं की भूमिका पर विचार प्रस्तुत किए। विभागाध्यक्ष डॉ. संजय चौधरी ने कहा कि समाज के समग्र विकास में महिलाओं की भागीदारी अनिवार्य है। कार्यक्रम का संचालन डाली ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन शिवांगी ने दिया।

इस अवसर पर डॉ. राजेश कुमार सिंह, डॉ. दिलीप कुमार सिंह, डॉ. सरोज सिंह, डॉ. मो. सादिक, डॉ. सुरेन्द्र प्रताप यादव, डॉ. नेहा श्रीवा. स्तव, रवीन्द्र पाण्डे, अखिलेश, उषा वर्मा, अन्नपूर्णा, ज्ञान प्रकाश तिवारी, अंकिता, उज्वल व गार्गी उपस्थित रहे।

कौशल ही आत्मनिर्भरता की कुंजीः प्रो. अनूप कुमार

अयोध्या, 14 फरवरी 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय स्थित अमर शहीद संत कंवरराम साहिब सिंधी अध्ययन केंद्र में आयोजित सात दिवसीय कौशल विकास कार्यक्रम के चौथे दिन विद्यार्थियों को पारंपरिक सिंधी शिल्प से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के संयोजक एवं मानद निदेशक प्रो. अनूप कुमार के निर्देशन में आयोजित सत्र का मुख्य विषय सिंधी कढ़ाई रहा।

प्रो. अनूप कुमार ने कहा कि वर्तमान समय में कौशल आधारित शिक्षा अत्यंत आवश्यक है और पारंपरिक कढ़ाई हमारी सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। विषय विशेषज्ञ शालिनी पांडेय और रेखा खत्री ने विद्यार्थियों को कढ़ाई के विभिन्न टांकों और डिजाइनिंग की तकनीक सिखाई।

इस अवसर पर प्रतिभा त्रिपाठी, विनीता मोटवानी, प्रतीक तिवारी, योगेश तथा क्षितिज द्विवेदी सहित आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

छात्रा एमन फातिमा ने सीएसआईआर–जेआरएफ परीक्षा में पाई सफलता

अयोध्या, 25 फरवरी 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की जैव रसायन विज्ञान की छात्रा एमन फातिमा ने दिसंबर 2025 में आयोजित सीएसआईआर–जेआरएफ परीक्षा में 135वीं रैंक प्राप्त कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि पर विभागाध्यक्ष प्रो. फर्रुख जमाल, प्रो. नीलम पाठक, प्रो. संग्राम सिंह, डॉ. वंदना रंजन सहित अन्य शिक्षकों ने बधाई दी।

प्रायोगिक व मौखिकी परीक्षाओं की तिथि 25 फरवरी तक बढ़ी

अयोध्या, 18 फरवरी 2026। अवध विश्वविद्यालय ने एनईपी के तहत स्नातक व परास्नातक सेमेस्टर की प्रायोगिक एवं मौखिकी परीक्षाओं की तिथि बढ़ाकर 25 फरवरी कर दी है। कुलसचिव व परीक्षा नियंत्रक विनय कुमार सिंह ने बताया कि परीक्षाएं सम्पन्न कर अंक समर्थ पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य होगा।

केंद्रीय बजट किसानों की आय बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने वाला: कुलपति डॉ. बिजेंद्र

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कुलपति एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. बिजेंद्र सिंह ने केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह बजट किसानों की आय में वृद्धि तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने वाला है। उनके अनुसार यह कृषि को ज्ञान, तकनीक और उद्यमिता आधारित क्षेत्र में परिवर्तित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कुलपति ने कहा कि यह बजट पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर बागवानी, पशुपालन, मत्स्य पालन और कृषि प्रौद्योगिकी के एकीकरण को प्रोत्साहित करता है। इससे किसानों को केवल उत्पादकता तक सीमित न रखकर उन्हें कृषि उद्यमी के रूप में स्थापित करने की सोच को मजबूती मिलेगी। उन्होंने बताया कि स्थानीय स्तर पर चंदन की खेती एवं उसके प्रसंस्करण से उच्च मूल्य वाली कृषि को बढ़ावा मिलेगा, जिससे किसानों की आय में वृद्धि की संभावना है।

उन्होंने यह भी कहा कि पशु चिकित्सा सेवाओं, डायग्नोस्टिक लैब, ब्रीडिंग सुविधाओं तथा कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर सृजित होंगे। इसके साथ ही कृषि संरचना पोर्टल, आईसीएआर प्रणालियों और एआई आधारित कृषि पैकेजों के एकीकरण से एक समग्र डाटाबेस तैयार होगा, जिससे किसानों को वैज्ञानिक जानकारी और आधुनिक तकनीक का लाभ मिलेगा।

डॉ. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय अनुसंधान, नवाचार, कौशल विकास और किसानों के प्रशिक्षण के माध्यम से इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभाएगा, जिससे पूर्वांचल के किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिल सकेगा।

स्किल आधारित शिक्षा से बढ़ेगी आत्मनिर्भरता: प्रो. फर्रुख जमाल

कौशल आधारित क्षेत्रों में बढ़ रहे हैं रोजगार के अवसर: प्रो. संजय पाठक

अवध विश्वविद्यालय में कौशल विकास कार्यशाला का आयोजन, आत्मनिर्भरता पर दिया गया जोर

अयोध्या, 11 फरवरी 2026। अवध विश्वविद्यालय के अमर शहीद संत कंवर राम साहब सिंधी अध्ययन केंद्र में कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत 11 फरवरी से 17 फरवरी तक कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रो. अनूप कुमार ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य लोगों को आत्मनिर्भर बनाना है। समाज में हो रहे परिवर्तन के साथ कौशल विकास की प्रकृति भी बदल रही है। प्राचीन ग्रामीण भारत में ग्राम सभाएं आत्मनिर्भर हुआ करती थीं, क्योंकि वहां विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षित लोग समाज का हिस्सा होते थे। आश्रम और गुरुकुलों में भी योग, शिक्षा, युद्ध कला और संगीत जैसे विविध प्रशिक्षण दिए जाते थे, किंतु समय के साथ यह परंपरा धीरे–धीरे समाप्त होती चली गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. फर्रुख जमाल ने कहा कि आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए नई शिक्षा नीति में विशेष प्रावधान किए गए हैं। केवल सैद्धांतिक शिक्षा ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि किसी न किसी क्षेत्र में कुशल होना भी आवश्यक है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक ने कहा कि वर्तमान समय में कौशल ही व्यक्ति की पहचान बन रहा है और भारत को विकसित एवं सशक्त बनाने के लिए स्किल आधारित शिक्षा अत्यंत आवश्यक हो गई है।

सिंधी अध्ययन केंद्र में आयोजित कौशल विकास कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित अतिथि एवं प्रतिभागी।

नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय के प्रो. संजय पाठक ने कहा कि गारमेंट डिजाइनिंग और कुकिंग के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। समय और बाजार की मांग के अनुसार उद्यम का चयन करना चाहिए। उन्होंने बताया कि रूरल टूरिज्म के बढ़ने से पाककला के क्षेत्र में भी अवसर बढ़ रहे हैं। प्रशिक्षक सुखराम साधवानी ने कहा कि सिंधी संस्कृति और परंपराओं का संरक्षण आवश्यक है।

कार्यशाला में सिंधी पकवान, टाई एंड डाई तथा सिंधी कढ़ाई तकनीक से संबंधित प्रशिक्षण दिए जाएंगे। कार्यक्रम का संचालन विनीता मोटवानी ने किया। इस अवसर पर कपिल कुमार, अमन सिंह, शालिनी पांडेय, डॉ. प्रतिभा त्रिपाठी, डॉ. प्रतिभा, नीलम मध्यान, हरिश मध्यान सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

फ्लो साइटोमेट्री से कोशिका के रहस्यों को समझना संभव: डॉ. स्वर्णेंद्र सिंह

फ्लो साइटोमेट्री तकनीक से कोशिकाओं के अध्ययन को मिली नई दिशा: प्रो. हिमांशु

अवध विश्वविद्यालय में "स्ट्रांगर टुगेदर" कार्यक्रम, वैज्ञानिकों ने साझा किया ज्ञान

अयोध्या, 17 फरवरी 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में जैव रसायन विभाग एवं बीडी बायोसाइंसेज इंडिया एंड साउथ एशिया के संयुक्त तत्वावधान में "स्ट्रांगर टुगेदर" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय कंपनी बीडी बायोसाइंसेज से आए प्रमुख वक्ता डॉ. स्वर्णेंद्र सिंह (मार्केटिंग मैनेजर) एवं फ्लो साइटोमेट्री विशेषज्ञ डॉ. शशीभूषण चौहान का पुष्पगुच्छ एवं शाल भेंट कर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आईक्यूएसी निदेशक प्रो. हिमांशु शेखर सिंह ने कहा कि विज्ञान और आधुनिक तकनीक ने मानव जीवन को सरल बनाने के साथ वैज्ञानिक अनुसंधान को नई दिशा दी है। विभागाध्यक्ष प्रो. फर्रुख जमाल ने बताया कि फ्लो साइटोमेट्री एक उन्नत तकनीक है, जिसके माध्यम से तरल माध्यम में बहने वाली कोशिकाओं के भौतिक और रासायनिक गुणों का विश्लेषण किया जाता है। लेजर बीम के संपर्क में आने पर प्राप्त संकेतों के आधार पर कोशिकाओं के आकार, जटिलता और प्रोटीन संरचना का अध्ययन संभव होता है।

मुख्य वक्ता डॉ. स्वर्णेंद्र सिंह ने "कोशिका के रहस्य" विषय पर पावरपॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से फ्लो साइटोमेट्री की उपयोगिता समझाई, वहीं डॉ. शशीभूषण चौहान ने इसकी डिजाइन, कार्यप्रणाली और परिणामों की व्याख्या पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में वैज्ञानिक क्विज प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें सही उत्तर देने वाले छात्र–छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

धन्यवाद ज्ञापन प्रो. नीलम पाठक ने किया। इस अवसर पर प्रो. आशुतोष सिन्हा, प्रो. संग्राम सिंह, डॉ. विनोद कुमार चौधरी, डॉ. नीलम यादव, डॉ. अनिल कुमार यादव, डॉ. वंदना रंजन, डॉ. मणिकांत त्रिपाठी, डॉ. प्रदीप कुमार सिंह, डॉ. पंकज सिंह, सहित शिक्षक एवं छात्र उपस्थित रहे।

भारतीय ज्ञान परंपरा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी 20–21 फरवरी को

अयोध्या, 18 फरवरी 2026। पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा 20–21 फरवरी को "विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की प्राप्ति में भारतीय ज्ञान परंपरा की भूमिका" विषय पर द्वि–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। यह कार्यक्रम आईसीएसएसआर, नई दिल्ली के सहयोग से होगा। उद्घाटन सत्र में अयोध्या के महापौर गिरिशपति त्रिपाठी मुख्य अतिथि होंगे, जबकि प्रो. दुर्गेश त्रिपाठी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह अध्यक्षता करेंगे। संयोजक डॉ. विनोद कुमार चौधरी ने बताया कि संगोष्ठी में भारतीय ज्ञान प्रणाली, सतत विकास, नवाचार और आत्मनिर्भर भारत जैसे विषयों पर विद्वानों द्वारा विचार–विमर्श किया जाएगा।

अवध विश्वविद्यालय के डॉ. सुधीर प्रकाश यूपीपीएससी के सदस्य बने, शिक्षकों ने किया अभिनंदन

अनुशासन और संकल्प से ही बड़े लक्ष्य संभवः कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह

अयोध्या, 09 फरवरी 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन सभागार में कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के शिक्षक डॉ. सुधीर प्रकाश को उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग का सदस्य बनाए जाने पर अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि यदि व्यक्ति स्वयं में अनुशासित और संकल्पित हो तो वह बड़े से बड़ा लक्ष्य प्राप्त कर सकता है। सामान्य से विशेष बनने की यात्रा में समय प्रबंधन, सकारात्मक सोच और कर्तव्यनिष्ठा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि डॉ. सुधीर प्रकाश ने विश्वविद्यालय में एक समर्पित शिक्षक के रूप में सेवाएं दी हैं और अब उन्हें एक बड़े दायित्व के लिए चुना गया है। यह पूरे विश्वविद्यालय परिवार के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण के साथ चरित्र निर्माण भी अत्यंत आवश्यक है।

अवध विश्वविद्यालय में यूपीपीएससी सदस्य बनाए जाने पर डॉ. सुधीर प्रकाश का अभिनंदन करते कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह, कुलसचिव विनय कुमार सिंह एवं अन्य शिक्षक।

कुलसचिव विनय कुमार सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए यह गौरवपूर्ण क्षण है। डॉ. सुधीर प्रकाश के चयन के लिए उन्होंने चयन समिति एवं राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया।

डॉ. सुधीर प्रकाश ने कहा कि विश्वविद्यालय में 25 वर्षों की सेवा के दौरान लगभग 12 हजार छात्रों का मार्गदर्शन करने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम की कृपा से उन्हें संवैधानिक दायित्व निभाने का अवसर मिला है, जिसे वे पूर्ण निष्ठा के साथ निभाएंगे।

अभिनंदन समारोह में कुलपति, कुलसचिव एवं वित्त अधिकारी सहित शिक्षकों ने डॉ. सुधीर प्रकाश को पुष्पगुच्छ एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया। समारोह का संचालन डॉ. राजेश कुमार सिंह ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मनीष कुमार सिंह ने किया।

इस अवसर पर वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, प्रो. विनोद कुमार श्रीवास्तव, प्रो. सिद्धार्थ शुक्ल, प्रो. शैलेंद्र कुमार, प्रो. सुरेन्द्र मिश्र, डॉ. विनोद कुमार चौधरी, डॉ. दिवाकर त्रिपाठी, डॉ. महिमा चौरसिया, डॉ. वंदिता पांडेय, डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव, डॉ. राजेश कुमार सिंह, इंजीनियर परितोष त्रिपाठी, इंजीनियर विनीत सिंह, इंजीनियर रमेश मिश्र, डॉ. नवीन पटेल और इंजीनियर रवि प्रकाश पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

विश्व आर्द्रभूमि दिवस पर अवध विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने चलाया स्वच्छता व वृक्षारोपण अभियान

अयोध्या, 3 फरवरी 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय परिसर के एनसीसी कैडेट्स ने विश्व आर्द्रभूमि दिवस के अवसर पर कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर कैडेट्स ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए वृक्षारोपण तथा साफ–सफाई अभियान चलाया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझाना और लोगों को इसके प्रति जागरूक करना था।

कंपनी कमांडर कैप्टन प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा के नेतृत्व में एनसीसी कैडेट्स ने जलाशयों के निकट वृक्षारोपण कर स्वच्छता का संदेश दिया और लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया। प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा ने कहा कि परिसर को क्लीन और ग्रीन बनाने के लिए एनसीसी निरंतर अभियान चलाकर स्वच्छ और समृद्ध पर्यावरण का निर्माण करेगी।

इस अभियान में सीनियर अंडर ऑफिसर प्रसिद्ध यादव, अंडर ऑफिसर सूर्यकेतु मिश्रा, अंडर ऑफिसर लक्ष्मी चौधरी, अंडर ऑफिसर सुनैना यादव, सार्जेंट साक्षी तिवारी सहित अन्य एनसीसी कैडेट्स एवं पदाधिकारी एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रही।

अवध विश्वविद्यालय में कौशल विकास कार्यशाला का समापन, व्यावहारिक प्रशिक्षण पर दिया गया जोर

अयोध्या, 17 फरवरी 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के अमर शहीद संत कंवरराम साहिब सिंधी अध्ययन केंद्र में आयोजित सात दिवसीय कौशल विकास कार्यशाला का 17 फरवरी को गरिमामय समापन हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान, तकनीकी दक्षता और उद्योग उन्मुख प्रशिक्षण प्रदान करना था।

समापन सत्र में फैशन डिजाइनिंग विभाग के शिक्षक रत्नेश यादव ने "प्रमोशन ऑफ स्किल एंड टूल्स इन्वॉल्व्ड" विषय पर व्याख्यान देते हुए कौशल आधारित शिक्षा की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आधुनिक तकनीकी उपकरणों और पारंपरिक हस्तशिल्प तकनीकों के समन्वय से विद्यार्थी अपने कौशल को बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित कर सकते हैं।

दूसरे सत्र में डॉ. उषा गर्ग और डॉ. चारु अग्रवाल ने "स्क्रीन प्रिंटिंग एंड इट्स एप्लीकेशन इन टुडेज वर्ल्ड" विषय पर व्याख्यान एवं प्रायोगिक प्रदर्शन प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि प्रो. फर्रुख जमाल तथा प्रो. नीलम पाठक ने कहा कि कौशल विकास कार्यक्रम विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने और शिक्षा व उद्योग के बीच सेतु का कार्य करते हैं।

प्रो. अनूप कुमार ने कहा कि कौशल आधारित शिक्षा विद्यार्थियों को वास्तविक सफलता की ओर ले जाती है। कार्यक्रम का संचालन कपिल कुमार और विनिता पटेल ने किया तथा रत्नेश यादव ने विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस अवसर पर विनय शर्मा, शालिनी पांडेय, अमन विक्रम सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक व छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

कैंपस बुलेटिन

- अयोध्या, 18 फरवरी, 2026। अवध विवि ने एनईपी–2026 स्नातक एवं परास्नातक प्रायोगिक व मौखिकी परीक्षाओं की तिथि 28 फरवरी तक बढ़ाई, अंक समर्थ पोर्टल पर अपलोड करने निर्देशित।
- 26 फरवरी, 2026। अवध विश्वविद्यालय में 'मिशन जीवन' कार्यक्रम आयोजित, पोस्टर और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, 218 छात्रों ने भाग लिया, विजेता खुशी रस्तोगी, मनु तिवारी, स्वाति, प्रमुख वक्ता प्रो. एस.एस. मिश्र।
- अवध विश्वविद्यालय में 11–17 फरवरी 2026 तक कौशल विकास कार्यशाला आयोजित, आत्मनिर्भरता और स्वरोजगार पर जोर, पाककला, टाई एंड डाई, सिंधी कढ़ाई प्रशिक्षण, प्रमुख वक्ता प्रो. अनूप कुमार, प्रो. फर्रुख जमाल, प्रो. संजय पाठक।

एनआईआरएफ रैंकिंग की तैयारी को लेकर राजभवन की राज्य विश्वविद्यालयों के साथ समीक्षा बैठक

अयोध्या, 07 फरवरी 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन सभागार में राजभवन द्वारा राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के साथ एनआईआरएफ (नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क) की तैयारी को लेकर ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई। बैठक का संचालन राजभवन के विशेष कार्याधिकारी सुधीर एम. बोबडे तथा डॉ. पंकज एल. जॉनी ने किया। राजभवन ने सभी राज्य विश्वविद्यालयों से एनआईआरएफ डेटा अपडेट की स्थिति की जानकारी ली और निर्धारित तिथि 9 फरवरी 2026 तक डेटा सबमिट करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा एनआईआरएफ से संबंधित डेटा पहले ही सबमिट कर दिया गया है। पिछले तीन वर्षों के आंकड़ों का दस्तावेजीकरण कर उसे अपडेट किया गया है, जिसमें रिसर्च पब्लिकेशन, प्लेसमेंट रिकॉर्ड तथा वित्तीय ऑडिट रिपोर्ट महत्वपूर्ण हैं।

कुलपति ने कहा कि फैकल्टी को प्रतिष्ठित जर्नल्स में शोधपत्र प्रकाशित करने और पेटेंट फाइल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल शोधपत्रों की संख्या ही नहीं, बल्कि उनके सिटेशन भी रैंकिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। फैकल्टी प्रोफाइल सुधार के तहत अधिक से अधिक शिक्षकों के पास पीएचडी होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि फैकल्टी और छात्रों का अनुपात बेहतर होने से विश्वविद्यालय का स्कोर भी बढ़ता है।

अवध विवि के कौटिल्य प्रशासनिक भवन सभागार में एनआईआरएफ रैंकिंग की तैयारी को लेकर राजभवन की ऑनलाइन बैठक में शामिल कुलपति, अधिकारी व शिक्षक।

बैठक में कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, प्रो. आशुतोष सिन्हा, अधिष्ठाता प्रो. मृदुला मिश्रा, प्रो. सिद्धार्थ शुक्ल, प्रो. फर्रुख जमाल, प्रो. गंगाराम मिश्र, प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा, डॉ. पी.के. द्विवेदी, डॉ. नवीन पटेल, डॉ. अनुराग सिंह उपस्थित रहे। तकनीकी सहयोग गिरीश पंत ने प्रदान किया।

प्रकृति हमारा अस्तित्व, संरक्षण ही भविष्यः प्रो. एस.एस. मिश्र

अयोध्या, 26 फरवरी 2026। अवध विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग एवं पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सहयोग से राष्ट्रीय वनस्पति विज्ञान अनुसंधान संस्थान (एनबीआरआई), लखनऊ द्वारा "मिशन जीवन जागरूकता कार्यक्रम" प्रचेता भवन सभागार में आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि प्रो. एस.एस. मिश्र ने पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता बताई। डॉ. विनोद चौधरी ने 6–आर सिद्धांत पर जोर दिया, जबकि प्रो. नीलम पाठक ने प्लास्टिक मुक्त समाज का आह्वान किया। डॉ.

अंजू पटेल, डॉ. संध्या मिश्रा व डॉ. वर्तिका सिंह ने व्याख्यान दिए। खुशी रस्तोगी, मनु तिवारी व स्वाति को पुरस्कार मिला। कार्यक्रम में डॉ. अरविन्द कुमार बाजपेई, डॉ. विभा तिवारी, डॉ. जितेन्द्र कौशल, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. संजीव श्रीवास्तव, डॉ. आशुतोष त्रिपाठी, डॉ. पंकज सिंह, डॉ. प्रदीप सिंह, डॉ. रुद्र प्रताप, डॉ. संदीप रावत, डॉ. एस. पी. सिंह, डॉ. कविता वर्मा, डॉ. अमिता सिंह, डॉ. अश्वनी कुमार, डॉ. ज्ञानेश्वर गुप्ता व डॉ. गया प्रसाद उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर अवध विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान में वैज्ञानिक कार्यक्रम

विज्ञान अनुसंधान और नवाचार से ही समाज का विकास संभवः प्रो. अजय

अयोध्या, 28 फरवरी 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के नवीन परिसर स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर विज्ञान अनुसंधान और नवाचार को समर्पित कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक प्रो. शैलेंद्र कुमार ने की।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. शैलेंद्र कुमार ने कहा कि "विज्ञान केवल तर्क का ही अनुशासन नहीं, बल्कि संयम और लगन का भी अनुशासन है।" यह विचार नोबेल पुरस्कार (1930) से सम्मानित महान भारतीय वैज्ञानिक सी.वी. रमन का था। उन्होंने सी.वी. रमन द्वारा खोजे गए 'रमन प्रभाव', राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की शुरुआत तथा भारत के अनेक महिला और पुरुष वैज्ञानिकों के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के एसोसिएट प्रोफेसर अजय यादव ने कहा कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण समाज को प्रगतिशील बनाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को शोध, नवाचार और नैतिक मूल्यों के साथ फार्मेसी के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने पोस्टर प्रदर्शनी, रंगोली प्रतियोगिता, भाषण एवं वैज्ञानिक मॉडल प्रस्तुत कर अपनी रचनात्मकता और ज्ञान का प्रदर्शन किया। पोस्टरों में एंटीबायोटिक प्रतिरोध, आधुनिक औषधि निर्माण तकनीक, औषधि गुणवत्ता नियंत्रण और स्वास्थ्य जागरूकता जैसे विषयों को प्रभावी ढंग से दर्शाया गया। मॉडल प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने दवा निर्माण प्रक्रिया, औषधि वितरण प्रणाली तथा मानव शरीर में दवाओं की कार्यप्रणाली को दर्शाया।

इस अवसर पर डॉ. विमल कुमार, डॉ. अजय शुक्ला, डॉ. दीपा यादव, ज्योति वैष, ओम प्रकाश यादव, पूनम सिंह, मो. तल्हा, प्रियंका राजपूत, अवनीश मिश्रा, विजय कांत दुबे, अतुल शुक्ला और विनीत सहित बड़ी संख्या में संकाय सदस्य एवं छात्र–छात्राएं तथा प्रतिभागी व अन्य उपस्थित रहे।